नवोदय विद्यालय समिति

क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग का एक स्वायत्त संस्थान)

भारत सरकार

स्थापना दिवस समारोह

दिनांक : 13–04–2016

मुख्यालय : बी-15, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सैक्टर - 62, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा

क्षेत्रीय कार्यालय : 18, संग्राम कॉलोनी, महावीर मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर

समिति

नवोदय विद्यालय समिति का पंजीकरण दिनांक 28 फरवरी, 1986 को सोसायटीज एक्ट **XXI** 1860 के अन्तर्गत एक स्वायत्त निकाय के रूप में दिल्ली में किया गया है। यह मानव संसाधन विकास मंत्रालय, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग भारत सरकार का एक स्वायत्तशासी निकाय है। नवोदय विद्यालय समिति माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री की अध्यक्षता में एक कार्यकारिणी समिति के माध्यम से कार्य करती है। यह कार्यकारिणी समिति निधि का आबंटन करने सहित समिति के अन्य सभी कार्यों के प्रबंधन के प्रति उत्तरदायी है और इसे समिति की सभी शक्तियों के प्रयोग का अधिकार प्राप्त है। दो उप–समितियाँ यथा वित्त समिति एवं शैक्षणिक सलाहकार समिति इसके कार्यों में सहायता करती है। नवोदय विद्यालय समिति का मुख्यालय वर्तमान में नोएड़ा में अवस्थित है। नवोदय विद्यालय समिति पूरे भारत वर्ष के प्रत्येक जिले में (तमिलनाडु को छोड़कर) जवाहर नवोदय विद्यालय का संचालन करती है।

संगठन

समिति के प्रशासनिक ढाँचे के अनुसार आयुक्त इसके कार्यकारी प्रमुख हैं, जो समिति की कार्यकारिणी समिति द्वारा निर्धारित नीतियों का कार्यान्वयन करते हैं। मुख्यालय स्तर पर संयुक्त आयुक्त, उपायुक्त एवं सहायक आयुक्त उनकी सहायता करते हैं। समिति ने अपने अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले नवोदय विद्यालयों के प्रशासन एवं अनुवीक्षण के लिए आठ संभागीय कार्यालय जयपुर, चण्ड़ीगढ़, शिलोंग, भोपाल, पटना, हैदराबाद, लखनऊ एवं पुणे में स्थापित किए है। क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर उपायुक्त कार्यकारी प्रमुख होते है तथा उनके सहयोग के लिए सहायक आयुक्त नियुक्त है।

संभाग	ज.न.वि. की संख्या		राज्य एंव दिनांक 31.03.2015 को जवाहर नवोदय विद्यालयों की संख्या
1 भोपाल	94	4	मध्य प्रदेश(50), छत्तीसगढ़ (17), उड़ीसा (31)
2 चंड़ीगढ़	50	2	पंजाब (21), हिमाचल प्रदेश(12), जम्मू और कश्मीर (18), और चंडीगढ़-सं.शा.क्षे. (1)
3 हैदराबाद	70	3	आन्ध्र प्रदेश (15), कर्नाटक (28), केरल (14), पांडेचेरी-सं.शा.क्षे. (4), अंडमान निकोबार द्वीप समूह-सं.शा.क्षे. (2) और लक्षद्वीप-सं.शा.क्षे. (1), तेलंगाना (9)
4 जयपुर	54	2	राजस्थान(34), हरियाणा (20), दिल्ली-सं.शा.क्षे. (2)
5 लखनऊ	83	1	उत्तर प्रदेश (71),उत्तराखण्ड (13)
6 पटना	77	4	बिहार (39), झारखंड (24), पश्चिम बंगाल (18)
7 पुणे	62	2	महाराष्ट्र (33), गुजरात (26), गोवा (2), दमन एवं दीव़-सं.शा.क्षे. (2), दादरा और नगर हवेली-सं.शा.क्षे. (1)
8 शिलांग	86	4	मेघालय(8), मणिपुर (11), मिजोरम (8), अरुणाचल प्रदेश (16), नागालैंड (11), त्रिपुरा (4), सिक्किम (4), असम(28)
योग	576 + 22 ज.न.वि.		576 जिलों में 576 ज.न.वि. और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति बहुल जिलों में स्वीकृत 22 ज.न.वि. (10 अनुसूचित जाति + 10 अनुसूचित जन जातियों के लिए) 02 विशेष ज.न.वि. मणिपुर में।

उद्देश्य

जिला स्तर पर गति निर्धारक संस्थाएं स्थापित करना, जो आदर्श होने के साथ–साथ उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करें। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभावान विद्यार्थियों को संस्कारयुक्त, मूल्यानुप्राणित, पर्यावरण जागृति, सहायक गतिविधियों में सहभागिता तथा शारीरिक शिखा जैसे गुणों से युक्त उत्तम गुणवत्ता और आधुनिकता से ओतप्रोत शिक्षा प्रदान करना। विद्यार्थियों को तीन भाषाओं में उचित ढंग से कुशल बनाना। हिन्दी भाषा क्षेत्र से अन्य भाषा–भाषी क्षेत्रों में परस्पर प्रवास नीति के अन्तर्गत राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना।

जवाहर नवोदय विद्यालय

भारत तथा अन्यत्र कहीं भी दी जाने वाली विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में नवोदय विद्यालय प्रणाली एक अनूठा प्रयोग है। इस प्रयोग की महत्ता ग्रामीण प्रतिभाशाली बच्चों को लक्ष्य मानकर किये गए चयन तथा उन्हें उच्च कोटि की ऐसी शिक्षा उपलब्ध कराने में निहित है जो आवासीय विद्यालयों में दी जाने वाली श्रेष्ठ शिक्षा के तुलनीय है। लेकिन अब तक अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा समाज के केवल संपन्न वर्ग तक ही सीमित थी और निर्धन

वर्ग के लिए यह सुलभ नहीं थी। यह महसूस किया गया कि विशेष प्रतिभा या योग्यता के बच्चों को भुगतान करने के लिए अपनी क्षमता की परवाह किए बिना अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध करवाकर तेज गति से आगे बढ़ने के लिए अवसर प्रदान किया जाना चाहिए। अन्यथा ये प्रतिभाशाली बच्चे आधुनिक गुणवत्ता युक्त शिक्षा से जो कि शहरी क्षेत्रों में परंपरागत रूप से उपलब्ध है से वंचित हो जायेंगे। इस तरह की शिक्षा ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को उनके समान स्तर के शहरी समकक्षों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम करेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 ने ग्रामीण प्रतिभा को अच्छे से बाहर लाने के लिए आवासीय विद्यालय जो कि जवाहर नवोदय विद्यालय के नाम से जाने जाते हैं कि स्थापना की परिकल्पना की है।

प्रारम्भ में नवोदय विद्यालय समिति द्वारा झज्जर (हरियाणा) एवं अमरावती (महाराष्ट्र) में दो प्रायोगिक मॉडल विद्यालयों को खोलकर इस संस्था की शुरूआत की गई थी, जिन्हें बाद में जवाहर नवोदय विद्यालय का नाम दिया गया। वर्तमान में 27 राज्यों और 07 संघशासित प्रदेशों में ज.न.वि. संचालित हैं। राज्यवार संचालित जवाहर नवोदय विद्यालय निम्नानुसार है :–

1.	असम	28	13.	छत्तीसगढ़	17	25.	दादरा ओर नगर हवेली	01
2.	आंध्र प्रदेश	14	14.	केरल	14	26.	मध्यप्रदेश	50
3.	अरूणाचल प्रदेश	16	15.	पंजाब	21	27.	महाराष्ट्र	33
4.	बिहार	39	16.	राजस्थान	34	28.	मणिपुर	11
5.	गोवा	02	17.	सिक्किम	04	29.	मेघालय	08
6.	उड़ीसा	31	18.	त्रिपुरा	04	30.	दिल्ली	02
7.	पश्चिम बंगाल	18	19.	दमन और द्वीव	02	31.	लक्ष्यद्वीप	01
8.	गुजरात	26	20.	उत्तरप्रदेश	71	32.	जम्मू और कश्मीर	18
9.	हरियाणा	20	21.	झारखंड	24	33.	चण्डीगढ़	01
10.	हिमाचल प्रदेश	12	22.	नागालैण्ड	11	34.	मिजोरम	08
11.	कर्नाटक	28	23.	पांडिचेरी	04	35.	तेलंगाना	10
12.	अण्डमान और निकोबार	02	24.	उत्तराखंड	13		**कुल**	**598**

नवोदय विद्यालय केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से संबंद्ध है इनमें कक्षा 6 से 12 तक निशुल्क शिक्षा प्रदान की जाती है। प्रत्येक जवाहर नवोदय विद्यालय सह–शैक्षणिक एवं पूर्ण आवासीय है जहाँ विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ निशुल्क भोजन, पाठ्य पुस्तके, स्टेशनरी, युनिफार्म इत्यादि प्रदान की जाती है। इन विद्यालयों में प्रवेश मुख्यतः कक्षा 6

में लिखित परीक्षा के माध्यम से दिया जाता है तथा कक्षा 9 व 11 में भी रिक्त स्थानों के विरूद्ध प्रवेश दिया जाता है। वर्तमान में लगभग 2.41 लाख विद्यार्थी अध्ययनरत है।

सुविधाएं

जवाहर नवोदय विद्यालय लगभग 30 एकड़ जमीन में संचालित किया जाता है जहाँ स्टाफ एवं विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त आवास सुविधा है। छात्र एवं छात्राओं के लिए पृथक पृथक छात्रावास सुविधा है। विद्यार्थियों के खान–पान, खेलकूद, सह–शैक्षिक गतिविधियाँ, कम्प्युटर शिक्षण के लिए सभी संसाधन उपलब्ध है। विद्यालय में विद्यार्थी को सभी सुविधायें निशुल्क उपलब्ध करवाई जाती है।

1. भोजन पर व्यय : दुर्गम एवं कठिन क्षेत्रों में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालयों के अलावा बाकी पर रु.10,800/- प्रति छात्र प्रतिवर्ष (रु. 1,200/- प्रति छात्र प्रतिवर्ष, 9 माह के लिए) व्यय किया जाता है। इसके अतिरिक्त विविध भोजनालय व्यय, जिसमें खाना बनाने के लिए ईंधन, साफ-सफाई और खाना बनाने के काम में लगाए गए अनियत कामगारों की मजदूरी शामिल है, के लिए एक अतिक्ति राशि रु. 180/- प्रति छात्र प्रतिवर्ष (9 माह के लिए) भी स्वीकृत की गई है।

दुर्गम एवं कठिन क्षेत्रों में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालयों पर रु.12,600/- प्रति छात्र प्रतिवर्ष (रु. 1,400/- प्रति छात्र प्रतिवर्ष, 9 माह के लिए) व्यय किया जाता है। इसके अतिरिक्त विविध भोजनालय व्यय, जिसमें खाना बनाने के लिए इंधन, साफ-सफाई और खाना बनाने के काम में लगाए गए अनियत कामगारों की मजदूरी शामिल है, के लिए एक अतिक्ति राशि रु. 180/- प्रति छात्र प्रतिवर्ष (9 माह के लिए) भी स्वीकृत की गई है।

2. वर्दी : (1) समशीतोष्ण एवं तटीय जलवायु क्षेत्रों में स्थित ज.न.वि. हेतु व्यय- आन्ध्र प्रदेश, ओड़िशा, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, दमन एवं दीव, महाराष्ट्र, गोवा, दादरा एवं नगर हवेली, अंडमान एवं निकोबार, पांडिचेरी और लक्षद्वीप में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालयों के लिए-रु. 2,000/- प्रति छात्र प्रति वर्ष।

(2) शीतकालीन एवं अति उष्ण क्षेत्रों में स्थित ज.न.वि. हेतु - पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़ और चंडीगढ़ में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालयों के लिए- रु. 2,500/- प्रति छात्र प्रति वर्ष।

(3) अति शीतकालीन क्षेत्रों में स्थित ज.न.वि. हेतु - जम्मू एवं कश्मीर, उत्तराखंड, पूर्वोत्तर क्षेत्र और हिमाचल प्रदेश में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालयों के लिए- रु. 2,800/- प्रति छात्र प्रति वर्ष।

3.पाठ्य पुस्तकों पर व्यय: रु. 400/- प्रति छात्र प्रति वर्ष ।

4.दैनिक प्रयोग की जाने वाली प्रसाधन सामग्री पर व्यय : रु. 1,000/- प्रति छात्र प्रति वर्ष ।

5.विद्यार्थियों पर किए जाने वाले अन्य व्यय :

I) चिकित्सा व्यय : रु. 270/-(9 माह हेतु प्रति छात्र रु. 30/- प्रति माह की दर से)

II) लेखन सामग्री व्यय : 9 माह हेतु प्रति छात्र रु. 85/- की दर से।

III) शयन सामग्री पर व्यय : रु. 600/- प्रति वर्ष ।

IV) के.मा.शि. बोर्ड शुल्क : वास्तविक ।

V) स्कूल बैग (केवल कक्षा-7 एवं कक्षा-9 के विद्यार्थियों के लिए) : रु. 300/-

VI) यात्रा खर्च : 9 माह हेतु प्रति छात्र प्रति माह, रु. 180/- स्थानीय यात्रा के लिए वास्तविक रेल/बस भाड़ा।

6. जवाहर नवोदय विद्यालय से बाहर विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लने हेतु केवल यात्रा के दौरान विद्यार्थियों के लिए देय दैनिक भत्ता: रु. 150/- प्रति दिन।

परिवेश

प्रत्येक जवाहर नवोदय विद्यालय में कम से कम 75 प्रतिशत सीटें ग्रामीण क्षेत्र से चुने गये विद्यार्थियों द्वारा भरी जाती है। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों का आरक्षण इन श्रेणियों के न्यूनतम राष्ट्रीय औसत के अनुसार उनकी जनसंख्या के अनुपात में किया जाता है। दिनांक 31–03–2015 को नवोदय विद्यालयों में 2,41,648 विद्यार्थी अध्ययनरत थे।

कार्यशील जवाहर नवोदय विद्यालयों की संख्या		589
अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या		2,41,648
छात्रों की संख्या	61.41%	1,48,384
छात्राओं की संख्या	38.59%	93,264
ग्रामीण विद्यार्थियों की संख्या	78.21%	1,88,990
शहरी विद्यार्थियों की संख्या	21.79%	52,658
सामान्य विद्यार्थियों की संख्या	56.16%	1,35,705
अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों की संख्या	25.11%	60,671
अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों की संख्या	18.73%	45,272

उपलब्धियाँ

स्थापना के बाद से ही, नवोदय विद्यालयों के परिणाम अन्य सभी समरूप शैक्षणिक संस्थाओं से तुलनात्मक रूप से बेहतर रहें है। हाल ही में, जवाहर नवोदय विद्यालयों ने लगातार उत्कृष्ट परिणाम दिए हैं एव के.मा.शि.बोर्ड से संबंधित विद्यालय प्रणालियों में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त किया है। केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के वर्ष 2015 के परीक्षा परिणामों के अनुसार जनवि अलेप्पी (केरल) एवं जनवि एर्णाकुलम (केरल) ने शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल कर भारत के 20 उत्कृष्ट विद्यालयों में से मात्र दो सरकारी विद्यालयों के रूप में स्थान प्राप्त किया है।

नवोदय विद्यालय योजना की सफलता को केवल परीक्षा परिणामों के मानदंड से ही नहीं आंका जा सकता, बल्कि नवोदय के विद्यार्थी जो सच्चे नागरिक बने हैं, वे अधिकतर अपने परिवार की पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी हैं। नवोदय विद्यालय समिति के भूतपूर्व विद्यार्थियों ने प्रसिद्ध उच्च शैक्षणिक संस्थाओं में प्रवेश प्राप्त किया है। जवाहर नवोदय विद्यालयों के अनेक विद्यार्थी उच्च प्रतिष्ठित पदों पर सुशोभित किये हुए है। सिविल सर्विस, चिकित्सा एवं तकनीकी क्षेत्रों में नवोदय के विद्यार्थियों ने उच्च कीर्तिमान स्थापित किए है।

क्षेत्रीय कार्यालय

नवोदय विद्यालय समिति क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना 01 अप्रेल, 1989 को जयपुर के टोंक फाटक क्षेत्र में किराए के भवन में की गई थी, तत्पश्चात् शास्त्री नगर में संचालन के बाद वर्तमान में सी–स्कीम के अन्तर्गत संग्राम कॉलोनी में संचालित है। स्थाई भवन निर्माण के लिए मानसरोवर में भूमि का आवंटन किया गया है, परन्तु प्रशासनिक कारणों से भवन का निर्माण कार्य लम्बित है।

जयपुर संभाग में उपायुक्त के साथ 04 सहायक आयुक्तों एवं 01 सहायक आयुक्त (प्रशा.) का पद स्वीकृत है।

जयपुर संभाग का राज्य अनुसार क्षेत्राधिकार

Sl.No.	Name of the State	Total No. of JNVs
1	Haryana	20
2	Rajasthan	32+2
3	Delhi	2
Total		**54+2**

जयपुर संभाग के कार्यशील जनवि का विवरण

Sl. No.	Name of state	No of District	No of district covered	No of uncovered district	Name of uncovered district	Remarks
1	Delhi	09	02	07	Central Delhi East Delhi New Delhi North Delhi North East South Delhi West Delhi	Despite best effort no proposal has been received so far
2	Haryana	21	20	01	Palwal	Pending in Ministry of HRD
3	Rajasthan	33	32	01	Pratapgarh	Pending in Ministry of HRD
Total		**63**	**54**	**9**		

जयपुर संभाग के जनवि की छात्र संख्या 31–03–2016

State	Boys	Girls	Rural	Urban	Gen.	SC	ST	Total
Haryana	**5775**	**3604**	**7243**	**2136**	**5971**	**3358**	**50**	**9379**
Rajasthan	**10922**	**5641**	**12865**	**3698**	**9402**	**4244**	**2917**	**16563**
Delhi	**601**	**378**	**696**	**283**	**617**	**327**	**35**	**979**
Regional Total	**17298**	**9623**	**20804**	**6117**	**15990**	**7929**	**3002**	**26921**
%age	**64.25**	**35.75**	**77.28**	**22.72**	**59.40**	**29.45**	**11.15**	**100**

क्षेत्रीय कार्यालय जयपुर में स्वीकृत एवं पदस्थापित कार्मिक विवरण

Name of the Post	Sanctioned	In Position	Vacant	Remarks
Dy. Commissioner	1	0	1	
Asstt. Commissioner	4	3	1	
Asstt. Commissioner (Admn.)	1	1	0	
Executive Engineer	1	0	1	
Accounts Officer	1	0	1	
Section Officer (Fin. & Admn.)	2	2	0	
Assistant	4	2	2	
Personal Asstt.	1	0	1	
Audit Assistant	3	3	0	
UDC	2	2	0	
Stenographer	3	2	1	
Computer Operator	1	1	0	
LDC	6	5	1	
Gest. Operator	1	1	0	
Staff Car Driver	1	1	0	Attached with JNV
Peon	4	4	0	
Chowkidar	1	1	0	
Safai Karmchari	1	1	0	
Junior Engineer (Civil)	1	1	0	On Contract
Total	**39**	**31**	**8**	

नवोदय विद्यालय समिति
प्रज्ञानं ब्रह्म